25 / 12 / 82 की अव्यक्त वाणी

पर आधारित योग अनुभूति

विधि, विधान और वरदान की अनुभूति

➢➢ बड़े दिन पर मिलन की अनुभव

➳ _ ➳ बड़े दिन के उत्सव पर

➳ _ ➳ मैं आत्मा बड़े से बड़े बाप के साथ हूं

→ सारे बुरे दिन समाप्त हो अब उमंग उत्साह के दिन हैं

■ अविनाशी बाप के साथ

■ मैं अविनाशी आत्मा इस संगमयुगी बड़े दिन में

■ अविनाशी मिलन मना रही हूं

➳ _ ➳ इस ईश्वरीय परिवार की हर आत्मा

➳ _ ➳ एक दूसरे को अलौकिक स्नेह और शक्ति का गिफ्ट दे रही है

→ एक दूसरे से गुण उठाते

→ हम सब आत्माएं सर्व की सहयोगी हैं

■ ब्राह्मण परिवार की हर आत्मा संपन्न है

■ हरगुण, खजाने ,सर्व प्राप्ति स्वरूप है

■ श्रीमत की विधि से हर आत्मा

■ अपने भाग्य का विधान लिख रही है

➢➢ वरदाता बाप हर बच्चे को वरदानो से भरपूर कर रहे हैं

➳ _ ➳ हर बच्चे को बाबा ने

➳ _ ➳ सदा कंबाइंड रूप का वरदान दे

➳ _ ➳ सर्व समर्थ बना दिया है

→ मीठे- मीठे बच्चे के गीत गाते

→ बापदादा ने सर्व बच्चों को मीठा बना दिया है

■ हर बच्चे की हर मुश्किल

■ वरदाता बाप की स्मृति से सहज हो गई है

➳ _ ➳ संगम युग पर सारे कल्प का

➳ _ ➳ भाग्य बनाने का यह शुभ दिन है

→ अपने इस लकी ब्राह्मण परिवार के

→ सर्व लकी सितारों को देख रही हूं

■ हर बच्चे के साथ बापदादा

■ स्वयं साथी बन उसका भाग्य बना रहे हैं

➢➢ ब्राह्मण परिवार की निरंतर वृद्धि का अनुभव

➳ _ ➳ बाप दादा की शुभ भावना शुभ कामना से

➳ _ ➳ इस ब्राह्मण परिवार की निरंतर वृद्धि हो रही है

→ हर आत्मा परमात्मा को पिता के रूप में पाकर

→ एक ही गीत गा रही है

■ वो मेरा बाबा है

■ वो मेरा बाबा है

■ वाह-वाह का गीत हर ब्राह्मण आत्मा के दिल से निकल रहा है

■ यह संगम युग की सुहावनी घड़ी है

■ मौज मनाने का बड़ा दिन है

- जिसमें मैं आत्मा
- अलौकिक आनंद रस में डूबी हुई हूं